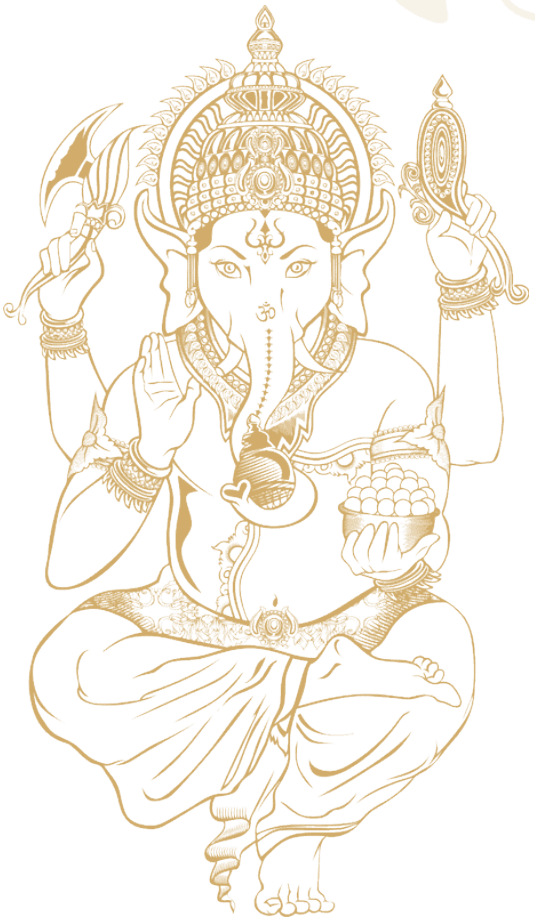

09 Dec 1990

12:20 AM

Fatahpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121226308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/12/1990**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:20:00 घंटे**
इष्ट	43:13:37 घटी
स्थान	**Fatahpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	30:03:00 उत्तर
रेखांश	77:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:01:00 घंटे
वेलान्तर	00:08:15 घंटे
साम्पातिक काल	05:10:03 घंटे
सूर्योदय	07:02:33 घंटे
सूर्यास्त	17:19:00 घंटे
दिनमान	10:16:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	22:41:14 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:23:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:23:53	313:42:17	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	22:41:14	01:00:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	19:04:25	13:03:49	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल	व		वृष	07:48:09	00:18:26	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			धनु	13:29:25	00:49:34	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	19:44:27	00:01:42	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			धनु	01:50:44	01:15:21	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			धनु	29:21:55	00:06:11	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
राहु			मक	05:13:15	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			कर्क	05:13:15	00:00:51	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	14:37:43	00:03:24	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
नेप			धनु	19:31:58	00:02:04	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	25:05:14	00:02:13	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	24:47:02	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:04

लग्न-चलित

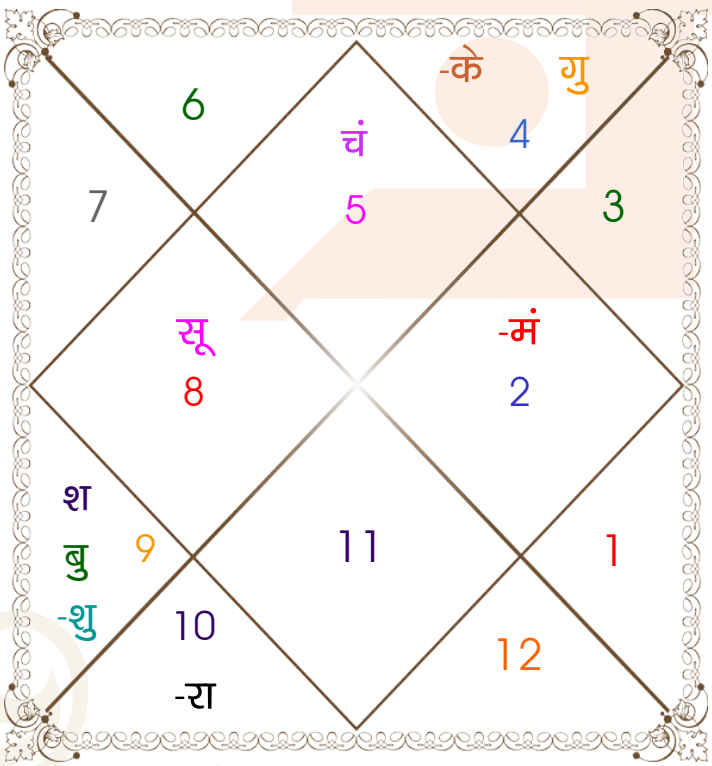

चन्द्र कुंडली

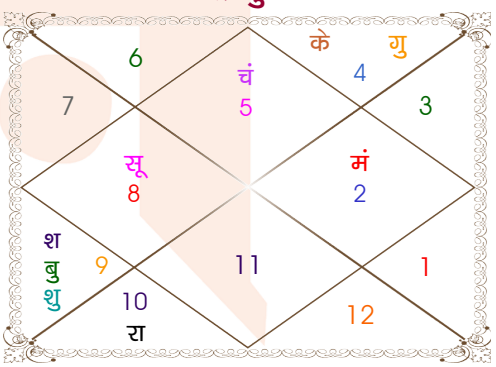

नवमांश कुंडली

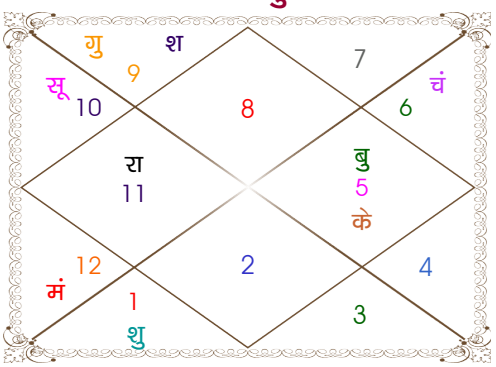

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 4 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/12/1990		30/04/2002		29/04/2008		30/04/2018		29/04/2025	
30/04/2002		29/04/2008		30/04/2018		29/04/2025		30/04/2043	
	00/00/0000	सूर्य	17/08/2002	चंद्र	27/02/2009	मंगल	26/09/2018	राहु	10/01/2028
	00/00/0000	चंद्र	16/02/2003	मंगल	28/09/2009	राहु	14/10/2019	गुरु	05/06/2030
	00/00/0000	मंगल	24/06/2003	राहु	30/03/2011	गुरु	19/09/2020	शनि	11/04/2033
	09/12/1990	राहु	17/05/2004	गुरु	29/07/2012	शनि	29/10/2021	बुध	29/10/2035
राहु	29/06/1992	गुरु	05/03/2005	शनि	28/02/2014	बुध	26/10/2022	केतु	16/11/2036
गुरु	28/02/1995	शनि	15/02/2006	बुध	30/07/2015	केतु	24/03/2023	शुक्र	17/11/2039
शनि	30/04/1998	बुध	23/12/2006	केतु	28/02/2016	शुक्र	23/05/2024	सूर्य	10/10/2040
बुध	27/02/2001	केतु	30/04/2007	शुक्र	29/10/2017	सूर्य	28/09/2024	चंद्र	11/04/2042
केतु	30/04/2002	शुक्र	29/04/2008	सूर्य	30/04/2018	चंद्र	29/04/2025	मंगल	30/04/2043

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/04/2043		30/04/2059		30/04/2078		30/04/2095		01/05/2102	
30/04/2059		30/04/2078		30/04/2095		01/05/2102		00/00/0000	
गुरु	17/06/2045	शनि	03/05/2062	बुध	25/09/2080	केतु	26/09/2095	शुक्र	30/08/2105
शनि	29/12/2047	बुध	10/01/2065	केतु	22/09/2081	शुक्र	25/11/2096	सूर्य	30/08/2106
बुध	05/04/2050	केतु	18/02/2066	शुक्र	23/07/2084	सूर्य	02/04/2097	चंद्र	30/04/2108
केतु	12/03/2051	शुक्र	20/04/2069	सूर्य	30/05/2085	चंद्र	01/11/2097	मंगल	30/06/2109
शुक्र	10/11/2053	सूर्य	02/04/2070	चंद्र	29/10/2086	मंगल	30/03/2098	राहु	10/12/2110
सूर्य	29/08/2054	चंद्र	01/11/2071	मंगल	26/10/2087	राहु	18/04/2099		00/00/0000
चंद्र	29/12/2055	मंगल	10/12/2072	राहु	15/05/2090	गुरु	24/03/2100		00/00/0000
मंगल	04/12/2056	राहु	17/10/2075	गुरु	20/08/2092	शनि	03/05/2101		00/00/0000
राहु	30/04/2059	गुरु	30/04/2078	शनि	30/04/2095	बुध	01/05/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 5 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।